

हत्तों का टकराव

एक केंद्रीय वशिवदियालय के शासी नकिया ने हाल ही में वशिवदियालय के कुलपतपिद के लयि उम्मीदवारों को शॉर्टलसिट करने के उद्देश्य से एक बैठक की । नविरतमान कुलपतपि भी इस पैनल का हसिसा थे । संयोगवश, कुलपतपि की पत्नी, जो शासी नकिया की सदस्य भी हैं, कुलपतपिद के लयि वचिरा कयि जा रहे उम्मीदवारों के समूह का हसिसा थी ।

दी गई परसिथिति में, शासी नकिया के सात सदस्यों ने कार्यवाहक कुलपतपि की नैतिकता पर सवाल उठाते हुए एक असहमतपित्र परसतुत कयि । असंतुष्ट सदस्यों ने कार्यवाहक कुलपतपि की उस बैठक की अधयकषता करने की नैतिकता पर चतिा वयक्त की जसिमें उनकी पत्नी को कुलपतपिद के लयि शॉर्टलसिट कयि गया था । असहमतपित्र में यह तर्क दयिा गया है कयिह सथिति "Nemo iudex in causa sua" (अर्थात् कसिी को भी अपने ही मामले में न्यायाधीश नहीं होना चाहयि) के सदिधांत का उल्लंघन करती है जसिसे हत्तों के टकराव की सथिति उत्पन्न होती है ।

कार्यवाहक कुलपतपि ने परषिद के दो सदस्यों की आपत्तयिों को नजरअंदाज़ करते हुए अपने पक्ष में नरिणय लयिा । उन्होंने तर्क दयिा कयि इस मामले में कटों के संघर्ष जैसी कोई सथिति नहीं थी कयोंकयि वह परतसिपरद्धा नहीं कर रहे थे, और वह तथा उनकी पत्नी अलग-अलग कानूनी संस्थाएँ हैं । असहमतपित्र में कुलपतपि की चयन परक्रयिा में नषिपकषता के सदिधांत का पालन करने के महत्त्व पर ज़ोर दयिा गया है ताकयिह सुनश्चिति कयिा जा सके कयि नरिणय बना कसिी पूरवाग्रह के लयि जाएँ, चाहे वे वास्तवकि हों या कथति ।

क्या एक कार्यवाहक कुलपतपि के लयि उस बैठक की अधयकषता करना नैतिक रूप से स्वीकार्य है जसिमें उसका जीवनसाथी एक पूरमुख पद के लयि उम्मीदवार है और संस्थानों को नरिणय लेने की परक्रयिाओं में नषिपकषता एवं पारदर्शति बनाए रखने के लयि हत्तों के संभावति टकराव को कैसे संबोधति कयिा जाना चाहयि?